<u>नौबतखाने में इबादत</u>

<u>व्यक्ति चित्र का सार</u>

यह पाठ बिस्मिल्ला खाँ के जीवन चित्र पर आधारित है। इस पाठ में काशी की गौरवशाली संस्कृति, उसके बदलते स्वरूप, बिस्मिल्ला खाँ के बचपन से लेकर अब तक का जीवन चित्र, उनकी मान्ताएँ, उनके दुख-सुख, उनके चरित्र में विद्यमान विशेषताओं इत्यादि का उल्लेख किया गया है।

<u>काशी में हो रहे परिवर्तन</u>

- परंपराओं का लुप्त होना।
- रियाज़ के महत्व में कमी।
- संगीतकारों तथा गायकों के सम्मान में कमी।
- हिन्दु तथा मुस्लमान के मध्य प्रेम भावना का कम होना।
- चैती, अदब तथा कजली का पहले जैसा सम्मान ना होना।
- स्वयं गायकों तथा संगीतकारों के मध्य अपनी कला के प्रति घटता सम्मान।
- काशी में विद्यमान साहित्य तथा संगीत परंपराओं का वैसा सम्मान न होना।
- काशी में विद्यमान पारंपारिक व्यंजनों, वस्तुओं तथा उनमें विद्यमान विशेषताओं का लुप्त होना।

<u>पाठ में बताई गईं आवश्यक बातें</u>

- शहनाई को सुषिर वाद्य यंत्रों में शाह की पदवी दी गई है।
- मंगल ध्वनि बजाने के कारण बिस्मिल्ला खाँ मंगल ध्वनि के नायक कहलाते हैं।
- जिन वाद्ययंत्रों को मुँह द्वारा फूँककर बजाया जाता है, उन्हें सुषिर वाद्य कहते हैं। शहनाई इनमें से एक है।
- शहनाई में लगाई जाने वाली <u>रीड</u> डुमराँव में ही मिलने वाली एक प्रकार की नरकट घास से बनती है। इसी गाँव में बिस्मिल्ला खाँ का भी जन्म हुआ था। यही कारण है कि डुमराँव का बहुत महत्व है।

<u>बिस्मिल्ला खाँ की स्वभावगत विशेषताएँ</u>

- सरल
- विनम्र
- संतोषी
- अहंकार रहित
- कला के प्रति समर्पित
- दिखावे की प्रवृत्ति से रहित
- अपनी कला से प्रेम करने वाले
- ईश्वर के प्रति गहरी आस्था रखने वाले
- सभी धर्मों के प्रति आदरभाव रखने वाले

<u>पाठ का उद्देश्य</u>

- बिस्मिल्ला खाँ के गुणों को हमारे समक्ष लाना।

ISC COACHING CENTRE

- काशी की गौरवशाली संस्कृति से परिचय कराना।
- हिन्दु-मुस्लिम एकता को बनाए रखने का प्रयास करना।
- खोती हुई कला के प्रति लोगों का ध्यान आकर्षित करवाना।
- बिस्मिल्ला खाँ जैसे महान व्यक्ति के गौरवशाली जीवन की झलक दिखाना।

<u>पाठ से मिलने वाला संदेश / शिक्षाएँ / प्रेरणा</u>

- ईश्वर का आभार मानने का संदेश।
- बिस्मिल्ला खाँ से गुणों को आत्मसात करने का संदेश।
- किसी भी कार्य या कला में महारत हासिल करने के लिए कठोर परिश्रम करने का संदेश।
- अपनी कला से प्रेम करने का संदेश। कला को स्वार्थ तथा लालच से दूर रखने का संदेश।
- सांप्रदायिक सौहोर्द्र को महत्व देने का संदेश। सबके साथ प्रेम तथा भाईचारे से रहने का संदेश।

ISC COACHING CENTRE